पंजाब केसरी (Punjab Kesari)

दिनांक (Dated): 23/7/2023	पृष्ठ सं० (Page No). 6	क्रम सं०(Serial No.) 10

इस केंद्र से सीआईएसएफ पूरे 24 घंटे देश के 66 एयरपोर्ट पर कर सकेगी निगरानी...

अमित शाह ने सीआईएसएफ के विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के परिसर महिपालपुर में बल के नवस्थापित विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र (एएससीसी) का उद्घाटन किया। इस केंद्र के जरिए सीआईएसएफ देश के 66 एयरपोर्ट पर निगरानी कर सकेगी। इस अवसर पर सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह के अलावा आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक जुल्फिकार हसन के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सीआईएसएफ के प्रवक्ता अपूर्व पांडेय ने बताया कि फरवरी 2000 में सीआईएसएफ हवाई अड्डों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। दो दशक पश्चात आज सीआईएसएफ देश भर में स्थित 134 परिचालन हवाई अड्डों में से 66 हवाई अड्डों को सुरक्षा कवच प्रदान कर रहा है। इनमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, जम्मू, श्रीनगर, अमृतसर आदि जैसे देश के सबसे व्यस्तम और अतिसंवेदनशील हवाई अड्डे शामिल हैं। सुरक्षा कर्तव्यों की निगरानी करने और संसाधनों के उपयोग की वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रत्येक हवाई अड्डे पर एक सुरक्षा परिचालन नियंत्रण केंद्र (एसओसीसी) स्थापित किया गया है। यह एसओसीसी 24 घंटे सामान्य एवं आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान संबंधित हवाई अड्डे की महत्वपूर्ण जानकारी संग्रह करने और उसे सम्बंधित तक पहुंचाने के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

समय के साथ हवाई यातायात और यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि, वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य, हवाई अड्डों पर बढ़ते खतरों और देश भर में हवाई अड्डों के भौगोलिक विस्तार को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डों पर घटित होने वाली घटनाओं की केंद्रीकृत निगरानी की आवश्यकता महसूस की गई। ताकि आकस्मिकताओं का निस्तारण वास्तविक समय में किया जा सके।

विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र की मुख्य विशेषताएं

यात्रियों और हवाई यातायात के डेटा की 24 घंटे वास्तविक समय में निगरानी और यह सुविधा किसी निश्चित समय पर यात्रियों की संख्या के बारे में सही जानकारी प्रदान करेगी और संसाधन एकत्रित करने में सहायक होगी। इस केंद्र द्वारा विभिन्न जानकारी एकत्र की जाएगी, जैसे- बम की धमकी वाली कॉल, अतिविशिष्ट व्यक्तियों का आवागमन, प्रमुख घटनाएं, यात्रियों की सुरक्षा जांच में लगने वाला समय, सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, पंक्ति प्रबंधन प्रणाली आदि।